Nai Dunia (Indore), 10th March 2023, Naidunia City, Page-I

आइआइटी का संकल्प... तकनीकी ज्ञान से समृद्ध होगा युवाओं का ब्रेन

तेजी से आइटी हब बन रहे इंदौर के युवाओं और विद्यार्थियों का ब्रेन तकनीकी ज्ञान में समृद्ध करने की शुरुआत हो चुकी है और यह पहल की है देश के सबसे बड़े तकनीकी संस्थानों में से एक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने। इंदौर को दुनिया के आइटी नक्शे पर चमकाने की यह पहल इस मायने में बेहद अहम है कि यहां के सैकड़ों आइटी प्रोफेशनल पहले से देश-दुनिया की बड़ी आइटी कंपनियों को अपने दिमाग से हैरान किए हुए हैं। आइआइटी के इस संकल्प के बाद तो इंदौर का झंडा और बुलंद होगा।

गजेन्द्र विश्वकर्मा

आइआइटी इंदौर में आइईईई की ईडीएस शाखा कर रही कई कार्यक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियर्स संस्थान (आइईईई) में इलेक्ट्रान डिवाइस सोसायटी (ईडीएस) मध्य प्रदेश शाखा की स्थापना की गई है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में तकनीकी ज्ञान का आदान-प्रदान किया जा रहा है।

शाखा के तहत समर स्कूल की शुरुआत की जा रही है। इसमें विभिन्न विषयों पर तीन से पांच दिन के शार्ट टर्म कोर्स कराए जाएंगे। इसका संचालन आफलाइन और आनलाइन माध्यम से किया जाएगा। ईडीएस के तहत प्रयोगशाला में किए जाने वाले विभिन्न प्रयोग, उपकरणों की जानकारी, कार्यशालाएं, पर्यावरण जागरूकता अभियान, पैनल डिस्कशन और कई तरह की गतिविधियां होंगी। विद्यार्थियों ने कोर्स में क्या सीखा इसका आकलन करने के लिए पोस्टर और प्रश्नोत्तरी गतिविधियां भी होंगी। ईडीएस मध्य प्रदेश शाखा के संस्थापक अध्यक्ष और आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर शैबल मुखर्जी ने बताया ईडीएस के तहत शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, इंजीनियर और युवा पेशेवरों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान किया जा रहा है।

स्कूली बच्चों की तकनीकी समझ बढ़ाने के लिए संस्थान द्वारा ईडीएस के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ● नईदुनिया

क्या है आईईईई और ईडीएस

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियर्स संस्थान (आइईईई) दुनिया का सबसे बड़ा तकनीकी पेशेवर संगठन है, जो मानवता के लाभ के लिए प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। आइईईई का मुख्य उद्देश्य मानवता के लाभ के लिए तकनीकी नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। आइईईई के इलेक्ट्रान डिवाइस सोसायटी (ईडीएस) के तहत प्रतिभागियों को उपकरणों से संबंधित विभिन्न जानकारी देकर उनका ज्ञान बढ़ाने की कोशिश की जा रही है।

संस्थान का ध्यान शहर के विद्यार्थियों पर भी

आइआइटी इंदौर में हाल ही में 19 मार्च को वेरीलार्ज स्केल इंटीग्रेशन (वीएलएसआइ) की मध्य प्रदेश शाखा की भी शुरुआत की गई है। इसका मकसद उद्योगों और इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों का ज्ञान बढ़ाना और उन्हें इस क्षेत्र में परिपक्व करना है। एस्ट्रोनामी, स्पेस, संस्कृत और अन्य तरह के विषयों में विद्यार्थियों को मजबूत करने के लिए भी आइआइटी समय-समय पर कार्यक्रम का आयोजन करता है। इसमें इंदौर के स्कूल और कालेजों के विद्यार्थियों को सिमरोल स्थित परिसर में आमंत्रित किया जाता है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत अन्य राज्यों के विद्यार्थियों को मप्र की संस्कृति से अवगत कराया जा रहा है। विद्यार्थियों को भी दूसरे राज्यों में भी ले जाया जा रहा है।

आइआइटी इंदौर ऐसे विषयों पर विभिन्न कार्यक्रम कर रहा है। जिससे हम जैसे युवाओं को भी बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन की तकनीकी हो या सेमीकंडक्टर और अन्य उपकरण हर तरह की जानकारी मिलने से युवा उद्यमियों को कई तरह के और भी फायदे मिलेंगे।

– अश्विन धनोतिया
ई-साइकिल मैन्युफैक्चरर

आइआइटी इंदौर कुछ समय से अपने विद्यार्थियों के साथ ही शहर और देश के अन्य विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ाने के लिए कई तरह के कार्यक्रम संचालित कर रहा है। समर स्कूल से भी तकनीकी समझ बढ़ेगी और प्रोफेशनल अपनी स्किल को बेहतर कर सकेंगे।

– डा. राकेश सक्सेना
निदेशक, एसजीएसआइटीएस